VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050
+918988886060

www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(16 January 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- भारतीय नौसेना के लिए तेहरी खुशियां का क्षण
- डोनाल्ड ट्रंप या जो बिडेन; किसने करवाया इजरायल-हमास युद्ध विराम समझौता?
- अमेरिकी डॉलर के मुकाबले में भारतीय रुपए में ऐतिहासिक गिरावट
- MCQ

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

भारतीय नौसेना के लिए तेहरी खुशियां का क्षण:

मामला क्या है?

- भारतीय नौसेना के लिए तेहरी खुशी के क्षण के रूप में, तीन अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू जहाज - INS नीलगिरि, 'परियोजना 17A' स्टील्थ फ्रिगेट श्रेणी का प्रमुख जहाज, INS सूरत, 'परियोजना 15B' स्टील्थ विध्वंसक श्रेणी का चौथा और अंतिम जहाज, और INS वाग्शीर, 'स्कॉर्पीन श्रेणी' की छठी और अंतिम पनडुब्बी - को 15 जनवरी को मुंबई में नौसेना डॉकयार्ड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

- ऐसे में यह जानना महत्वपूर्ण है कि ये बहुमुखी, स्वदेशी प्लेटफॉर्म क्या हैं, उनकी विशेषताएं और ताकत क्या हैं, और नौसेना में इन परिवर्धन का महत्व क्या है?

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

INS नीलगिरि:

- कोडनेम 'प्रोजेक्ट 17A' के तहत निर्मित नीलगिरि श्रेणी का स्टील्थ फ्रिगेट, शिवालिक श्रेणी या 'प्रोजेक्ट 17' फ्रिगेट का अनुवर्ती पोत है जो वर्तमान में सेवा में है।
- INS नीलगिरि 'प्रोजेक्ट 17A' के तहत सात फ्रिगेट में से पहला है जिसे मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL), मुंबई और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE), कोलकाता द्वारा बनाया गया है। इस श्रेणी के अन्य छह जहाज - हिमगिरि, तारागिरि, उदयगिरि, दूनागिरि और विंध्यगिरी - MDL और GRSE में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।
- INS नीलगिरि की कील 28 दिसंबर, 2017 को रखी गई थी और जहाज को 28 सितंबर, 2019 को पानी में उतारा गया था। यह पिछले साल अगस्त में पहली बार समुद्री परीक्षणों के लिए रवाना हुआ था और बंदरगाह और समुद्र में परीक्षणों के एक व्यापक कार्यक्रम से गुजरा, जिसके बाद पिछले साल 20 दिसंबर को नौसेना को इसकी डिलीवरी हुई।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

INS नीलगिरि श्रेणी फ्रिगेट की विशेषताएं:

- INS नीलगिरि श्रेणी के मल्टी-मिशन फ्रिगेट "ब्लू वॉटर" वातावरण में - तट से दूर गहरे समुद्र में - संचालन करने में सक्षम हैं और पारंपरिक और गैर-पारंपरिक दोनों तरह के खतरों से निपट सकते हैं।
- अपने बहुमुखी हथियारों और क्षमताओं के साथ, ये जहाज सतह-रोधी, वायु-रोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
- ये जहाज सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (MRSAM) प्रणाली, 76 मिलीमीटर की उन्नत तोप और रैपिड-फायर क्लोज-इन हथियार प्रणालियों के संयोजन से सुसज्जित है।

INS सूरत:

- प्रोजेक्ट 15B के तहत चौथा और अंतिम स्टील्थ गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर INS विशाखापट्टनम, INS मोरमुगाओ और INS इंफाल के बाद है, जिन्हें पिछले तीन वर्षों में कमीशन किया गया था।
- INS सूरत भारतीय नौसेना का पहला AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) सक्षम युद्धपोत है, जो अपनी परिचालन दक्षता को कई गुना बढ़ाने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित AI समाधानों का उपयोग करेगा।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- उल्लेखनीय है कि पिछले दशक में, 15A कोडनेम वाली परियोजना के तहत निर्मित कोलकाता श्रेणी के गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर - INS कोलकाता, INS कोच्चि और INS चेन्नई - को नौसेना में कमीशन किया गया है।

- कोलकाता श्रेणी के एक उन्नत संस्करण का निर्माण करने के लिए, 15B कोडनेम वाली परियोजना के तहत चार और गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर के निर्माण के लिए जनवरी 2011 में एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। भारतीय नौसेना की इन-हाउस युद्धपोत डिजाइन इकाई, वॉरशिप डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा डिज़ाइन किए गए और MDL द्वारा निर्मित, प्रोजेक्ट 15B के तहत चार जहाजों का नाम देश के चार कोनों में प्रमुख शहरों के नाम पर रखा गया है।
- उल्लेखनीय है कि डिस्ट्रॉयर युद्धपोतों की एक श्रेणी है जिसमें उच्च गति और गतिशीलता, अधिक प्रहार क्षमता और अधिक मनुवर्लिटी होती है, जिसके कारण वे विभिन्न प्रकार के नौसैनिक अभियानों, मुख्य रूप से आक्रामक, में एक महत्वपूर्ण संपत्ति हैं। अपने आधुनिक सेंसर और संचार सुविधाओं के साथ, ये जहाज "नेटवर्क-केंद्रित" युद्ध में एक महत्वपूर्ण संपत्ति हैं।

- 7,400 टन के विस्थापन और 164 मीटर की कुल लंबाई वाला एक निर्देशित मिसाइल डिस्ट्रॉयर, INS सूरत एक शक्तिशाली और बहुमुखी मंच है जो सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, जहाज-रोधी मिसाइलों और टॉरपीडो सहित अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस है।
- चार गैस टर्बाइनों वाले एक COGAG प्रणोदन सेट द्वारा संचालित, इसने समुद्री परीक्षणों के दौरान 30 समुद्री मील (56 किमी/घंटा) से अधिक की गति हासिल की है।

INS वाग्शीर:

- INS वाग्शीर 'प्रोजेक्ट 75' के तहत निर्मित आधुनिक स्टील्थ कलवरी क्लास की छठी और अंतिम पनडुब्बी है।
- कलवरी क्लास की पनडुब्बियों का डिज़ाइन स्कॉर्पीन क्लास पर आधारित है। इनमें डीजल इलेक्ट्रिक ट्रांसमिशन सिस्टम हैं और ये मुख्य रूप से "हमलावर" या "हंटर-किलर" पनडुब्बियाँ हैं - जिसका अर्थ है कि इन्हें दुश्मन के नौसैनिक जहाजों को निशाना बनाकर डुबोने के लिए डिज़ाइन किया

गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह दुनिया की सबसे शांत और बहुमुखी डीजल-इलेक्ट्रिक क्लास की पनडुब्बियों में से एक है।

- इसे एंटी-सरफेस वॉरफेयर, एंटी-सबमरीन वारफेयर, खुफिया जानकारी जुटाने, क्षेत्र की निगरानी और विशेष अभियानों सहित कई तरह के मिशनों को अंजाम देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- ये पनडुब्बियाँ वायर-गाइडेड टॉरपीडो, एंटी-शिप मिसाइलों और उन्नत सोनार सिस्टम से लैस हैं और इनमें मॉड्यूलर निर्माण की सुविधा है जो भविष्य में एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) तकनीक के एकीकरण जैसे उन्नयन की अनुमति देता है। AIP सिस्टम, जो डीजल इलेक्ट्रिक पनडुब्बी की जलमग्न सहनशक्ति को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाते हैं, 2026 से इस वर्ग की पनडुब्बियों पर लगाए जाने की उम्मीद है।
- वर्तमान कलवरी वर्ग की पनडुब्बियों का नाम अब सेवामुक्त हो चुकी कलवरी नामक पनडुब्बियों के वर्गों से लिया गया है - जिसमें कलवरी, खंडेरी, करंज शामिल हैं - और वेला वर्ग, जिसमें वेला, वागीर, वाग्शीर शामिल हैं। वाग्शीर का नाम हिंद महासागर में पाई जाने वाली एक प्रकार की सैंडफिश के नाम पर रखा गया है।

इन तीन युद्धपोतों के एक साथ कमीशनिंग का महत्व:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमीशनिंग समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पहली बार एक विध्वंसक, एक फ्रिगेट और एक पनडुब्बी एक साथ भारतीय नौसेना में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि "यह गर्व की बात है कि तीनों फ्रंटलाइन प्लेटफॉर्म भारत में बने हैं"।
- प्रधानमंत्री के अनुसार भारत हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले देश के रूप में उभरा है। भारतीय नौसेना ने हाल के दिनों में सैकड़ों लोगों की जान बचाई है और हजारों करोड़ रुपये के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय माल को सुरक्षित किया है, जिससे भारत, भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल में वैश्विक विश्वास बढ़ा है।
- ऐसे में प्रधानमंत्री ने सैन्य और आर्थिक दोनों दृष्टिकोणों से तीन जहाजों के कमीशन के दोहरे महत्व पर जोर दिया।
- नौसेना के एक पूर्व अधिकारी के अनुसार इन तीन जहाजों को भारतीय नौसेना में शामिल करना, नौसेना के लिए आवश्यक बल स्तर को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है, जो किसी भी क्षेत्रीय खतरे के खिलाफ एक दुर्जेय निवारक बन सके, और हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे भारत के सामरिक समुद्री प्रभाव को बढ़ा सके।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

डोनाल्ड ट्रंप या जो बिडेन; किसने करवाया इजरायल-हमास युद्ध विराम समझौता?

चर्चा में क्यों है?

- उल्लेखनीय है कि हमास और इजरायल ने गाजा में संघर्ष विराम समझौते पर सहमति जताई है, मध्यस्थों ने पुष्टि की है कि यह 19 जनवरी से प्रभावी होगा। इस समझौते में 15 महीने के संघर्ष, जिसने फिलिस्तीनी क्षेत्र को तबाह कर दिया है और पूरे मध्य पूर्व में तनाव को बढ़ा दिया है, के दौरान हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई शामिल है।

- हालांकि राष्ट्रपति जो बिडेन और निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों ही महीनों की बातचीत के बाद 15 जनवरी को गाजा में इजरायल और हमास के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते का श्रेय ले रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने तुरंत दावा किया कि वह इस समझौते के पीछे प्रेरक शक्ति हैं, जबकि जो बिडेन ने जोर देकर कहा कि यह मई के अंत में उनके द्वारा निर्धारित योजना के "सटीक रूपरेखा" के भीतर है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने युद्ध विराम समझौते को कैसे प्रभावित किया?

- इस मामले के जानकारों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रम्प का प्रभाव उनकी मांग से आया कि एक समझौते पर तुरंत पहुंचा जाए, जिससे इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके घोर दक्षिणपंथी मंत्रिमंडल के सदस्यों को एक विकल्प चुनने के लिए दबाव डाला जा सके: "समझौता करें, या अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए चुने गए अपने और अपने लक्ष्यों के लिए सबसे अधिक अनुकूल नेता को अलग-थलग करें"।
- उल्लेखनीय है कि यह समझौता छह सप्ताह तक चलने वाले चरणबद्ध युद्धविराम की रूपरेखा तैयार करता है, जिसके दौरान इजरायली सेना धीरे-धीरे गाजा पट्टी से हट जाएगी। बदले में, बंधकों के बदले में इजरायल द्वारा पकड़े गए फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा।
- कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने दोहा में एक समाचार सम्मेलन में बोलते हुए रविवार से युद्धविराम के कार्यान्वयन की पुष्टि की। समझौते के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कदमों को अंतिम रूप देने हेतु वार्ताकार इजरायल और हमास दोनों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने समझौते के लिए ट्रंप और बिडेन को धन्यवाद दिया:

- इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम और बंधक समझौते के बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और राष्ट्रपति जो बिडेन दोनों से बात की। इन बातचीत में, नेतन्याहू ने बंधकों की रिहाई में उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।
- प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए इजरायल की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की और राष्ट्रपति ट्रंप की इस बात पर जोर देने के लिए सराहना की कि गाजा को आतंकवाद का अड्डा नहीं बनना चाहिए। दोनों नेताओं ने इन मुद्दों को आगे बढ़ाने के लिए जल्द ही वाशिंगटन में मिलने पर सहमति जताई।
- प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बंधक समझौते को आगे बढ़ाने में उनकी सहायता के लिए राष्ट्रपति बिडेन को भी धन्यवाद दिया।

यह युद्ध विराम समझौता क्षेत्रीय तनाव को कम करेगा:

- यदि यह युद्ध विराम समझौता सफल होता है, तो यह उस लड़ाई को रोक देगा जिसने भारी शहरीकृत गाजा के अधिकांश हिस्से को नष्ट कर दिया है और इस

छोटे से क्षेत्र की युद्ध-पूर्व 23 लाख की अधिकांश आबादी को विस्थापित कर दिया है।

- बदले में यह व्यापक मध्य पूर्व में तनाव को कम कर सकता है, जहाँ युद्ध ने पश्चिमी तट, लेबनान, सीरिया, यमन और इराक में संघर्ष को बढ़ावा दिया है, और कट्टर क्षेत्रीय दुश्मनों इजरायल और ईरान के बीच पूर्ण युद्ध की आशंकाएँ बढ़ा दी हैं।
- उल्लेखनीय है कि इस समझौते में गाजा को मानवीय सहायता में वृद्धि करने का आह्वान किया गया है, और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने जोर देकर कहा कि "अब प्राथमिकता इस संघर्ष के कारण होने वाली भारी पीड़ा को कम करने की होनी चाहिए।" संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति दोनों ने कहा कि वे अपने सहायता कार्यों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले में भारतीय रुपए में ऐतिहासिक गिरावट:

चर्चा में क्यों है?

- 14 जनवरी को डॉलर के मुकाबले रुपया अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर पहुंच गया, जो 86.6475 के रिकॉर्ड निम्नतम स्तर पर पहुंच गया, तथा इसके बाद 86.63 पर बंद हुआ। 20 जनवरी को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह से पहले डॉलर में मजबूती आ रही है।

- हालांकि RBI ने रुपये के अवमूल्यन को रोकने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर बेचकर मुद्रा को सहारा देने के लिए नियमित रूप से कदम उठाया है, विश्लेषकों का मानना है कि केंद्रीय बैंक 2025 में अपनी मजबूत पकड़ ढीली कर सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, RBI मजबूत वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच घरेलू मुद्रा बाजार की अस्थिरता को कम करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के अपने उपयोग में विवेकपूर्ण होने का इरादा रखता है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

डॉलर के मुकाबले रुपया क्यों कमजोर हो रहा है?

अमेरिका में बेहतर आर्थिक परिदृश्य:

- रुपये के कमजोर होने का मुख्य कारण अमेरिका में बेहतर मैक्रोइकोनॉमिक परिदृश्य के बीच अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना है।
- इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में मामूली कटौती की उम्मीदों के कारण अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल भी है। उच्च अमेरिकी यील्ड ने भारत जैसे उभरते बाजारों के सापेक्ष निवेशकों के लिए अमेरिका को आकर्षक बना दिया है।
- नई अमेरिकी सरकार की नीतियों के बारे में अनिश्चितता ने भी रुपये की गिरावट में योगदान दिया है।

क्रूड ऑयल की कीमत में अस्थिरता:

- साथ ही चल रहे भू-राजनीतिक तनावों (रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व संकट, लाल सागर शिपिंग मुद्दे और इक्विटी बाजारों में पर्याप्त एफपीआई बहिर्वाह) के कारण तेल की कीमत में अस्थिरता ने भी रुपये में गिरावट में योगदान दिया है।

रुपया दुनिया की सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक:

- हालांकि इस गिरावट के बावजूद, रुपया दुनिया की सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक रहा है। SBI की एक रिपोर्ट में कहा गया है, "आज तक, रुपया अमेरिकी डॉलर के

मुकाबले लगभग 3 प्रतिशत कम हो चुका है, जो अन्य देशों की तुलना में अभी भी सबसे निचले स्तर पर है"।

- उल्लेखनीय है कि 2024 की पहली छमाही में रुपये के मूल्य स्थिरता का श्रेय वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में भारतीय बॉन्ड को शामिल करने से प्रेरित पूंजी प्रवाह को दिया गया, जिसने रुपये को अधिक अस्थिरता के खिलाफ सहारा दिया।

कमजोर रुपये का अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव:

- कमजोर रुपया आयात बिल बढ़ाता है क्योंकि आयातक डॉलर में भुगतान करते हैं। उच्च आयात बिल व्यापार घाटे को बढ़ाता है।
- खाद्य तेल, दालें, उर्वरक, तेल और गैस के आयात की लागत बढ़ जाती है। आयात पर निर्भर क्षेत्र (ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक, रसायन, परिवहन) नकारात्मक रूप से प्रभावित होंगे। सबसे बड़ा प्रभाव तेल और गैस के आयात पर पड़ता है क्योंकि भारत की आयात निर्भरता कच्चे तेल पर लगभग 85% है।
- विदेशों से धन जुटाने वाली कंपनियों की ऋण सेवा लागत बढ़ जाएगी।
- जो लोग विदेश में अध्ययन करना चाहते हैं, उन्हें कमजोर रुपये से कड़ी टक्कर मिलेगी, उन्हें अपनी पढ़ाई के लिए पहले से अधिक भुगतान करना होगा। विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों के लिए भी यही स्थिति है।

- कमजोर रुपया का मतलब है अधिक महंगा आयात जो देश में मुद्रास्फीति को बढ़ाता है। उदाहरण के लिए, उच्च तेल की कीमतें उच्च परिवहन लागत को जन्म देते हैं, जिससे खाद्य पदार्थ महंगे हो जाते हैं। यह ब्याज दरों पर ऊपर की ओर दबाव बनाकर आर्थिक विकास को धीमा कर देता है।
- **GDP वृद्धि दर में कमी:** उल्लेखनीय है कि रुपये के कमजोर होने से मुद्रास्फीति बढ़ेगी और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने का RBI का काम और कठिन हो जाएगा तथा ब्याज दरों में कटौती की संभावना भी कम हो जाएगी, जिसकी उम्मीद भारत की GDP वृद्धि दर में हाल ही में आई गिरावट के कारण कई लोगों को है।

कमजोर रुपये का अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव:

- हालांकि रुपये के कमजोर होने से भारत के निर्यात को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी तथा सस्ते आयात विकल्पों से घरेलू निर्माताओं के हितों की रक्षा होगा। रुपये के संदर्भ में निर्यात राजस्व में सुधार से फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल्स और आईटी क्षेत्रों को लाभ होगा, क्योंकि ये निर्यात-केंद्रित क्षेत्र हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपए का भविष्य क्या है?

- ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, गेवेकल रिसर्च के अनुसार, इस साल रुपया, 90 रुपया प्रति डॉलर से नीचे जा सकता है, क्योंकि रिज़र्व बैंक डॉलर के लिए मुद्रा की अंतर्निहित अर्ध-स्थिर विनिमय दर को खत्म करने की तैयारी कर रहा है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- हाल के हफ्तों में रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि RBI अपने नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में मुद्रा पर अपनी कड़ी पकड़ ढीली कर रहा है। यह उनके पूर्ववर्ती के दृष्टिकोण से अलग हटना है, जिसने प्रभावी रूप से डॉलर के मुकाबले मुद्रा को एक धीमी गति से स्थिर विनिमय दर पर स्थिर कर दिया था।
- इस नोट में कहा गया है, "लंबी अवधि में, भारत की अधिक मूल्यवान मुद्रा में सुधार एक स्वस्थ विकास हो सकता है, खासकर अगर यह भारत को अपनी उभरती हुई निर्यात अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद करता है"।
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) की एक हालिया रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि डोनाल्ड ट्रंप के आगामी दूसरे कार्यकाल का भारतीय रुपये पर अस्थायी प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट में इस अल्पकालिक प्रभाव को "ट्रंप टैंट्रम" के रूप में वर्णित किया गया है, जो ट्रंप के राष्ट्रपति पद के लिए रुपये की प्रतिक्रिया को दर्शाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

कि हालांकि ट्रंप के राष्ट्रपति काल के शुरुआती दिनों में रुपये में कुछ शुरुआती उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, लेकिन इसके तुरंत बाद इसमें स्थिरता आने की संभावना है।

- SBI के इस विश्लेषण से संकेत मिलता है कि ऐतिहासिक रूप से, रुपये ने डेमोक्रेटिक प्रशासन की तुलना में रिपब्लिकन प्रशासन के तहत बेहतर प्रदर्शन किया है। राष्ट्रपति निक्सन युग के बाद के रुझानों की समीक्षा करते हुए, रुपये ने रिपब्लिकन राष्ट्रपतियों के दौरान सापेक्ष स्थिरता दिखाई है।

MCQ

Q.1. चर्चा में रहे 'इजरायल-हमास युद्ध विराम समझौते' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक चरणबद्ध समझौता है जिसके तहत इजरायली सेना धीरे-धीरे गाजा पट्टी से हट जाएगी।
2. बदले में, हमास द्वारा बंधक बनाए लोगों और इजरायल द्वारा पकड़े गए फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c)

Q.2. हाल में चर्चा में रहे 'INS नीलगिरि' के संदर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है/हैं?

(a) कोडनेम 'प्रोजेक्ट 15B' के तहत निर्मित एक स्टील्थ डिस्ट्रॉयर है।

(b) इस श्रेणी के अन्य छह युद्धपोत निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

(c) इसका निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, कोच्चि द्वारा किया गया है।

(d) उपर्युक्त सभी सही हैं।

Ans. (b)

Q.3. हाल में चर्चा में रहे 'INS सूरत' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह 7,400 टन के विस्थापन क्षमता वाला एक निर्देशित मिसाइल डिस्ट्रॉयर है।
2. यह भारतीय नौसेना का पहला AI सक्षम युद्धपोत है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c)

Q.4. हाल में चर्चा में रहे 'INS वाग्शीर' के संदर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है/हैं?

(a) यह आधुनिक स्टील्थ कलवरी क्लास की अंतिम पनडुब्बी है।

(b) स्कॉर्पीन क्लास डिजाइन पर आधारित यह एक डीजल इलेक्ट्रिक पनडुब्बी है।

(c) इसमें भविष्य में एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक के एकीकरण की व्यवस्था है।

(d) उपर्युक्त सभी सही है।

Ans. (d)

Q.5. हाल ही में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर रुपये का 'भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभावों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसके वजह से महंगे आयत के कारन आयात बिल बढ़ने से व्यापार घाटा बढ़ सकता है।
2. इसके कारण भारत का निर्यात भी प्रतिस्पर्धी बना नहीं रह पाएगा।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (a)